भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-5919

उत्तर देने की तारीख-30/03/2026

पीएम-श्री जवाहर नवोदय विद्यालयों में आत्महत्या के मामले

†5919. **श्री कोडिकुन्नील सुरेश:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान पीएम-श्री जवाहर नवोदय विद्यालयों में दर्ज किए गए छात्रों की आत्महत्या के मामलों की वर्ष-वार कुल संख्या कितनी है;

(ख) उपरोक्त अवधि के दौरान दर्ज किए गए उक्त मामलों का विद्यालय-वार और राज्य/जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त आवासीय विद्यालयों में रैगिंग, शैक्षणिक दबाव, उत्पीड़न या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के आरोपों सहित ऐसी घटनाओं के कारणों की कोई जांच या अन्वेषण किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार और नवोदय विद्यालय समिति द्वारा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के समाधान के लिए परामर्शदाताओं की नियुक्ति, शिकायत निवारण तंत्र, रैगिंग-रोधी उपाय और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रणालियों सहित किए गए निवारक और सुधारात्मक उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नवोदय विद्यालयों में एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य और छात्र सुरक्षा संबंधी ढांचा तैयार करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ): नवोदय विद्यालय समिति (नविस) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नवोदय विद्यालयों में सूचित छात्र आत्महत्या के मामलों की वर्ष-वार कुल संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	आत्महत्या के मामलों की संख्या
2021	2
2022	7
2023	8

2024	12
2025	8
2026	3
कुल	**40**

पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नवोदय विद्यालयों में सूचित आत्महत्या के मामलों का राज्य और जिला-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** में संलग्न है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 मानती है कि शिक्षा से चरित्र का निर्माण होना चाहिए, शिक्षार्थियों को नैतिक, तर्कसंगत, दयालु और देखभाल करने में सक्षम बनाना चाहिए, साथ ही उन्हें लाभकारी और पूर्ण रोजगार के लिए तैयार करना चाहिए। संज्ञानात्मक विकास के अलावा उद्देश्य चरित्र का निर्माण करना और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से सुसज्जित समग्र और सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माण करना है। इसके अलावा 21वीं सदी की आवश्यकताओं को देखते हुए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य अच्छे, विचारशील, सर्वांगीण और रचनात्मक व्यक्तियों का विकास करना है, जो किसी व्यक्ति को रुचि के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों का गहन स्तर पर अध्ययन करने में सक्षम बनाता है, चरित्र का विकास करता है तथा विभिन्न विषयों में की क्षमताओं 21वीं सदी का विकास भी करता है। एनईपी 2020 यह भी निर्धारित करता है कि छात्रों के कल्याण जैसे फिटनेस, अच्छे स्वास्थ्य, मनोसामाजिक कल्याण और मजबूत नैतिक आधार को बढ़ावा देने वाली क्षमताओं का विकास भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और मानसिक दबाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा में खेलों को एकीकृत करने की आवश्यकता को अच्छी तरह से पहचाना गया है क्योंकि यह शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देने के साथ-साथ संज्ञानात्मक क्षमताओं को भी बढ़ाते हुए समग्र विकास को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा पाठ्यचर्या की रूपरेखा अन्य बातों के साथ-साथ भावनात्मक विनियमन और सकारात्मक प्रेरणा के लिए मानसिक स्वास्थ्य मार्गदर्शन और परामर्श कार्य से संबंधित चिंताओं को दूर करने में मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं को शामिल करते हुए एक रोडमैप का सुझाव देती है।

शिक्षा मंत्रालय ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत 'मनोदर्पण' नामक एक पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य देश भर में छात्रों, उनके परिवारों और शिक्षकों को कोविड-19 और उसके बाद के समय में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है। मनोदर्पण पहल के तहत की गई सभी गतिविधियों का उद्देश्य स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र भी शामिल हैं, के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में सहायता करना है।

हाल ही में, शिक्षा मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें नविस में आत्महत्या के मामलों का विश्लेषण करने के लिए एक वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक और चिन्हित नवि के प्रधानाचार्यों, जहाँ आत्महत्या के मामले हुए, एनसीईआरटी के संकाय सदस्यों के साथ-साथ नविस के अधिकारियों ने भाग लिया था।

नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप, एनआईईपीए समय-समय पर नवोदय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक भावनात्मक कल्याण पर क्षमता विकास कार्यशालाएं भी आयोजित करता है।

नवोदय विद्यालय समिति ने विधिवत गठित जांच समितियों के माध्यम से ऐसे सभी मामलों में तथ्यान्वेषी जांच की है। इन समितियों के निष्कर्षों के आधार पर, प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

- परिवार से जुड़ी समस्याएं
- परीक्षा और शैक्षिक दबाव
- बहुत ज़्यादा महत्वाकांक्षा / माता-पिता की बहुत ज़्यादा अपेक्षाएं
- किशोरों के व्यवहार से जुड़ी चिंताएं
- मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं

शिक्षा मंत्रालय की मनोदर्पण पहल के अलावा, नवोदय विद्यालयों के छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं -

- प्रत्येक नवि में परामर्शक (एक पुरुष और एक महिला) को तैनात किया जा रहा है।
- नवि के छात्रों के लिए टेली-काउंसलिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- सभी नवोदय विद्यालयों के प्रधानाचार्य सरकारी अस्पतालों के पेशेवर परामर्शदाताओं की सेवाएं लेने के लिए अधिकृत हैं।
- नविस में लोको-पेरेंटिंग की भूमिका निभाने वाले सभी शिक्षकों को मार्गदर्शन और परामर्श में प्रशिक्षित किया जाता है।
- हाउस मास्टर्स (शिक्षकों) के लिए मार्गदर्शन और परामर्श पर एक विशेष 5-दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।
- एनसीईआरटी द्वारा आयोजित मार्गदर्शन और परामर्श में एक वर्षीय डिप्लोमा के लिए भी शिक्षकों को नामित किया जाता है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 में नवि छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और मौजूदा सहायता प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। अपनी सिफारिशों के आधार पर, नविस ने निम्नलिखित पहल की हैं:

- नवि के छात्रों के लिए अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, परीक्षा से संबंधित तनाव का प्रबंधन करने और उनके भावनात्मक स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन स्थापित की गई है।
- सभी नवोदय विद्यालयों में सकारात्मक बातचीत, हास्य साझा करने और अन्य आकर्षक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए "हैप्पी ऑवर्स" अवधारणा पेश की गई है, जिससे छात्र अपने दिन को सकारात्मक नोट पर समाप्त कर सकें और अगले दिन की शुरुआत उम्मीद, खुशी और आशावाद के साथ कर सकें।
- प्रत्येक वर्ष, नविस एनसीईआरटी द्वारा आयोजित मार्गदर्शन और परामर्श में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 50-60 नवि शिक्षकों को नामित करता है।

*****

अनुलग्नक

पीएम-श्री जवाहर नवोदय विद्यालयों में आत्महत्या के मामले के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री कोडिकुन्नील सुरेश द्वारा दिनांक 30.03.2026 को पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5919 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नवोदय विद्यालयों में सूचित आत्महत्या के मामलों का राज्य और जिला-वार ब्यौरा

क्र सं.	राज्य	नवोदय विद्यालय (जिला)
1	आंध्र प्रदेश	नेल्लोर
2	असम	कछार
3	असम	पश्चिम कार्बी आंगलोंग
4	बिहार	दरभंगा
5	बिहार	पूर्णिया
6	बिहार	सारण
7	छत्तीसगढ	दंतेवाड़ा
8	छत्तीसगढ	राजनंदगांव
9	दमन और दीव (यूटी)	दमन
10	हरियाणा	कैथल
11	हरियाणा	सोनीपत
12	हिमाचल प्रदेश	बिलासपुर
13	झारखंड	बोकारो
14	झारखंड	देवघर
15	झारखंड	दुमका
16	झारखंड	गिरिडीह
17	झारखंड	गुमला
18	कर्नाटक	बेल्लारी
19	कर्नाटक	बीदर
20	कर्नाटक	चित्रदुर्ग
21	केरल	अलाप्पुझा
22	केरल	अलाप्पुझा
23	केरल	मलप्पुरम
24	मध्य प्रदेश	अनुपपुर
25	मध्य प्रदेश	भिंड
26	मध्य प्रदेश	खंडवा
27	मध्य प्रदेश	रतलाम-I
28	मध्य प्रदेश	टीकमगढ़
29	महाराष्ट्र	सोलापुर
30	ओडिशा	भद्रक
31	ओडिशा	गजपति
32	पंजाब	फतेहगढ़ साहिब
33	पंजाब	मोहाली
34	राजस्थान	बांसवाड़ा-प्रथम
35	राजस्थान	जयपुर
36	राजस्थान	सीकर
37	उत्तर प्रदेश	झांसी
38	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद
39	उत्तर प्रदेश	पीलीभीत
40	पश्चिम बंगाल	बीरभूम

*****